



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 306]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 16, 1983/आषाढ़ 25, 1905

No. 306]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 16, 1983/ASADHA 25, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
छपा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

रक्षाधन और उर्वरक संवत्तल्य

कार्यालय विक्रय आयुक्त (औषधि)

आदेश

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 1983

का०आ० 504(अ).—केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधि-
नियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए औषधि (कीमत नियंत्रण) आदेश,
1979 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश
करती है, अर्थात् :—

1. (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम औषधि (कीमत
नियंत्रण) छठा संशोधन आदेश, 1983 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त
होगा।

2. औषधि (कीमत नियंत्रण) आदेश, 1979 के (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) पैरा 2 के
खंड (न) में “पैरा 4 और 7 के अधीन नियत की गई
कीमत” शब्दों और अंकों के पश्चात् “जो अधिकतम प्रति-
धारण कीमत होगी” शब्द अंतर्स्थापित किए जायेंगे।

3. उक्त आदेश के पैरा 4 में, निम्नलिखित परन्तुक
अंतर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु सरकार,—

(क) देश में ऐसी औषधि के उत्पादन और आव-
श्यकताओं;

(ख) व्यक्तिगत विनिर्माता द्वारा ऐसी प्रपुंज औषधि
के उत्पादन को संरक्षण देने की आवश्यकता;

(ग) ऐसी औषधि की योजनाबद्ध अभिवृद्धि और समय-
समय पर लागू सरकार की नीति,—

को ध्यान में रखते हुए, राजपत्र में प्रकाशित आदेश
द्वारा, ऐसे विनिर्माता द्वारा विनिर्दिष्ट ऐसी प्रपुंज औषधि
के संबंध में जो उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट की जाएं, प्रति-
धारण कीमत को सामान्य विक्रय कीमत, अर्थात्, विक्रय
कीमत के रूप में नियत कर सकेगी।”

4. उक्त आदेश के पैरा 9 में,—

(क) उप पैरा (1) में “साधारण या विशेष आदेश
द्वारा” शब्दों के स्थान पर “राजपत्र में प्रकाशित
साधारण या विशेष आदेश द्वारा” शब्द रखे
जायेंगे;

(ख) उपपैरा (2) के पश्चात् निम्नलिखित प्रस्तावित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(3) जहां उपपैरा (1) के अधीन कोई साधारण या विशेष आदेश जारी किया गया है वह उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट विनिर्मितियों से भिन्न विनिर्मितियों का कोई विनिर्माता ऐसी प्रपंज औषधि का क्रम नहीं करेगा।”

[सं० 4(1) 83-औषधि II]

ई० एन० मुक्ति, उप सचिव

MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS

Office of the Development Commissioner (Drugs)

ORDER

New Delhi, the 14th July, 1983

S.O. 504(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Drugs (Prices Control) Order, 1979, namely :—

1. (1) This Order may be called the Drugs (Prices Control) Sixth Amendment Order, 1983.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. In paragraph 2 of the Drugs (Prices Control) Order, 1979 (hereinafter referred to as the said Order), in clause (t), after the words and figures “paragraphs 4 and 7”, the words “which shall be the maximum retention price” shall be inserted.

3. In paragraph 4 of the said Order, the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that the Government may, having regard to the following factors, namely :—

- (a) the production and requirements of such drug in the country ;
- (b) the need to afford protection to the production of such bulk drug by the individual manufacturer ;
- (c) the planned growth of such drug and the Government Policy in force from time to time ;

by order, published in the Official Gazette, fix the retention price as the common sale price, that is to say the sale price, in respect of such bulk drug manufactured by such manufacturer, as may be specified in the said Order.”.

4. In paragraph 9 of the said Order, —

(a) in sub-paragraph (1), after the words “by general or special order,” the words “published in the Official Gazette,” shall be inserted ;

(b) after sub-paragraph (2), the following shall be inserted, namely :—

“(3) Where a general or special order under sub-paragraph (1) has been issued, no manufacturer of formulations other than as specified in the said Order shall purchase such bulk drug.”.

[No. 4(1)83-D-II]

E. N. MURTHY, Dy. Secy.